सौदामिनी
के वि वि आयोग
CERC
जुलाई – सितम्बर, 2017 केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग खण्ड–I अंक–I4

प्रणय निवेदन

कविता

राह में बाधा बहुत है लक्ष्य को साधा बहुत है
मंज़िलों की राह भटका ये प्रणय आधा बहुत है
कुछ तूफानों ने कभी अपनों की थी पहचान बख्शी
साथ गर तुम हो तो फिर कम में भी ज्यादा बहुत है
प्रेम का जयमाल तेरे नाम को करता समर्पित
चाह का विभवास तुझपर आज भी सादा बहुत है
कुछ कसर तो है महज़ माथे से लेकर हाथ तक
कुछ लकीरे साथ है और कुछ में बस वादा बहुत है
थोड़े से मायूस है मन हार कर जीना पड़ा है
कुछ तुम्हारे नाम की पावन ये मर्यादा बहुत है

जे.के. तिवारी
कार्यकारी, प्रशासन

स्वच्छ भारत अभियान

पुरस्कृत लेख

स्वच्छता एक ऐसा भाव है अथवा एक ऐसी मनःस्थिति है जो हर व्यक्ति को मोह लेती है। चाहे वो मन की स्वच्छता हो या वातावरण की। हर देश की प्रगति उसके वित्तीय एवं अर्थशास्त्र के प्रगति पर निर्भर करती है जैसे कि खेती से आय, व्यवसाय से मुनाफा, सेवाओं से कमाई गई आय। सेवाओं के विभाग में यातायात एक अहम अंग है। यातायात कई चीज़ों पर निर्भर करता है जैसे कि प्राचीन किले, उसकी संस्कृति, देश की व्यवस्था, सड़क एवं अन्य चीज़ों का निर्माण आदि। अगर घूमने आता है तो कोई निवेश करने की दृष्टि से आता है, इसलिए देश को हर प्रकार से तैयार करना हमारी जिम्मेदारी है।

जहाँ दूर–दराज से लोग, दूसरे देश/प्रदेश/शहर को देखने आते हैं, उसमें सफाई एक अहम भूमिका निभाता है। कोई भी इंसान वहां ही घूमेगा जहां का माहौल उसे लुभाएगा। भारत में देखा जाए तो लोगों को आकर्षित करने के लिए बहुत प्राचीन संस्कृति है। उसी में बने किले, मकबरे, मंदिर, बाग–बगीचे लोगों को खूब लुभाते हैं। ताजमहल देखने की करोड़ों की आशाएं उन्हें खींच लाती है भारत, लेकिन अगर स्वच्छता न बरती जाए तो लोगों का मन खराब होता है एवं वे दूसरे लोगों को मना करते हैं, वहां जाने से। स्वच्छता एक सुदृढ़ भारत बनाने में भी लाभदायक है। अगर हर जगह कूड़ा गंदगी रहेगी तो उससे बीमारियां बढ़ेंगी तो लोग बीमार एवं कमज़ोर होंगे जिसकी वजह से वो काम न कर पाएंगे तथा देश को नुकसान होगा। गंदगी में पनपते मच्छर, कीड़े ही कई बीमारियों जैसे डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया फैलाते हैं और लोग बीमार पड़ते हैं। एक स्वस्थ जीवन के लिए स्वच्छता महत्वपूर्ण है।

हमें इसलिए कूड़ा नहीं फैलाना चाहिए तथा हर चीज़ में सफाई बरतनी चाहिए। न ही केवल घर में, हमें आसपास की जगह भी साफ रखनी चाहिए। ऐसे ही अगर दफ्तर देखा जाए तो कई लोगों की आदत होती है, चीज़ो को साफ न रखने की। हमें अपनी चीज़ों पर खुद ध्यान देना चाहिए और स्वच्छता रखनी चाहिए। ऐसे ही कुछ लोग होते हैं जो तंबाकू खाकर सड़क पर, सीढ़ियों पर, दीवारों पर थूक देते हैं जो कि लोगों को नहीं करना चाहिए। कई प्राचीन किलों की दीवारें ऐसे ही पुती दिखाई पड़ती है जो किलों की सुन्दरता खराब करती है।

हम देखते हैं कि लोग खुले में शौच करते हैं जिससे गंदगी एवं बीमारियां बढ़ती है। यह हर एक व्यक्ति को सोचना चाहिए कि यह उसके लिए भी हानिकारक है तथा दूसरों के लिए भी। ऐसे में घर में शौच तथा सड़कों/हाईवे पर सार्वजनिक शौच होने अनिवार्य होने चाहिए।

इन्हीं चीज़ों को नज़र में रखते हुए तथा दूसरे देशों में स्वच्छता देखकर, भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने स्वच्छ भारत अभियान की शुरूआत की। इसके अंतर्गत सभी देशवासियों से निवेदन किया गया कि वे अपने घर एवं आसपास स्वच्छता रखें। सड़कों, इमारतों को साफ रखें। पाठशालाओं में शौचालय, हर गांव में शौचालय का प्रयास किया। लोगों में जागरूकता लाने की कोशिश की जिससे वे स्वच्छता के महत्व को समझें तथा सभी जगहों को साफ रखें। हमें ये न देखते हुए कि कूड़ा किसी और ने फैलाया, हमें यह देखना चाहिए कि उसे साफ किया जाए। यह जागरूकता सिर्फ एक इंसान में नहीं बल्कि जब पूरे देश के लोगों में होगी तभी यह अभियान सफल बन सकता हे। चाहे वह खेती का कूड़ा हो या घर का, उसको उसकी जगह पर ही फेंकना चाहिए। प्लास्टिक वातावरण को दूषित करती है, उसका इस्तेमाल कम करना चाहिए एवं खत्म करना चाहिए। कूड़े को ज़मीनें भरने में इस्तेमाल करना चाहिए। 'जब स्वच्छ रहेगा भारत तभी तो स्वस्थ बनेगा भारत।' इसी शब्द के साथ देश में स्वच्छता बनाए रखने का यह एक महत्वपूर्ण कदम है।

(निकिता गुप्ता)
अनुसंधान सहयोगी (अर्थशास्त्र)

सौदामिनी
के वि वि आयोग
CERC
जुलाई – सितम्बर, 2017 केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग खण्ड–I अंक–I4

केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग के स्थापना दिवस की उन्नीसवीं वर्षगांठ–24 जुलाई, 2017

केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग ने स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में अपनी उन्नीसवीं वर्षगांठ आयोजित की। स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर माननीय न्यायाधीश श्री मदन भीमराव लोकुर को व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया। सर्वप्रथम माननीय अध्यक्ष, केविविआ ने अपने अभिभाषण में आमंत्रित अतिथि का स्वागत किया। अध्यक्ष महोदय ने अपने स्वागत संबोधन में आयोग की उपलब्धियों को रेखांकित किया। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यद्यपि आयोग अर्द्धन्यायिक निकाय है तथापि यह सरकार की नीतियों व प्राथमिकताओं को पूर्ण मान्यता देता है और समुचित विनियामक प्रोत्साहन प्रदान करने में सरकार से सामंजस्य स्थापित करने का पूर्ण प्रयास करता है।

अपना व्याख्यान आंरभ करते हुए माननीय न्यायाधीश श्री मदन भीमराव लोकुर ने केविविआ के समस्त स्टाफ सदस्यों को आयोग के 19 वर्ष पूरे होने पर बधाई और शुभकामनाएं दी। जस्टिस लोकुर ने अपने व्याख्यान में भारतीय अर्थव्यवस्था की और विनियामक संस्थाओं की भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने अपने वक्तव्य में इस विषय को विशेष रूप से भारतीय संदर्भ में महत्वपूर्ण बताया जो विश्व का सबसे बड़ा प्रजातांत्रिक देश है। हमारे देश की प्रजातांत्रिक व्यवस्था में अर्थव्यवस्था की विभिन्न क्षेत्रों में विनियामक संस्थाओं की महत्वपूर्ण भूमिका यह सुनिश्चित करना है कि सभी सार्वजनिक क्षेत्र तथा निजी उद्यम पूर्ण रूप से लोगों के हितों की रक्षा करें। आर्थिक विकास निश्चित रूप से अवसरों को पैदा करने तथा पर्याप्त सेवाओं की उपलब्धता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है लेकिन हमारे देश के लिए विशेष रूप से पोषण, स्वास्थ्य, साक्षरता तथा लोगों को आय के उनके विभिन्न स्तरों के बावजूद बिजली उपलब्ध करवाना तथा मानव विकास के मूलभूत घटकों की व्यवस्था करना है। इसके लिए समयबद्ध अवधि के अंदर सभी अनिवार्य सेवाएं प्रदान की जानी है। उन्होंने इस बात पर विशेष रूप से बल दिया कि हमारी अर्थव्यवस्था में यद्यपि 'विनियामक की परिवर्तित भूमिका' के कुछ लाभ हैं लेकिन कम वृद्धि या उच्च मुद्रास्फीति, उच्च वित्तीय घाटे तथा बजट सीमाओं के कारण समय–समय से कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। केविविआ द्वारा विनियमित विद्युत क्षेत्र में हमारी प्राथमिक चुनौती केवल दिल्ली जैसे बड़े शहरों में पर्याप्त विद्युत किस प्रकार उपलब्ध करवाई जाए इतना ही नहीं है, अपितु उचित लागत पर ग्रामीण क्षेत्रों एवं छोटे शहरों में उपलब्ध करवाना भी है। अपने व्याख्यान में उन्होंने रेखांकित किया कि हमारा प्रथम कार्य मौजूदा विद्युत संयंत्रों में कम लागत पर विद्युत की आपूर्ति में वृद्धि करना है और दूसरा महत्वपूर्ण कार्य कम लागत पर अधिकाधिक कार्यकुशलता सुनिश्चित करने के लिए पारेषण नेटवर्क में सुधार करना है।

उन्होंने अपने व्याख्यान में यह भी उल्लेख किया चूंकि सकल घरेलू उत्पाद महत्वपूर्ण है अतएव हमें उच्च विकास के लिए कार्य करने की अत्यधिक आवश्यकता है। इसके साथ–साथ उच्च विकास हमारा अंतिम लक्ष्य नहीं होना चाहिए। हमें यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि विकास के लाभ सभी लोगों तक पहुंचे। विशेष रूप से हमारे समाज के वंचित वर्ग को इसका लाभ मिलना चाहिए। अपने सारगर्भित व्याख्यान में उन्होंने समय से निर्णय करने की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि अपने उत्तरदायित्वों के निर्वाह में विनियामकों को उत्पादकों तथा उपभोक्ताओं (सरकारी एवं निजी इकाइयाँ दोनों) के बीच संतुलन स्थापित करना चाहिए। अपने व्याख्यान के अंत में उन्होंने कहा कि आज भारत के पास उभरती वैश्विक शक्ति के रूप में अपनी पूर्ण संभावना को प्राप्त करने की क्षमता है, बशर्ते कि हम अपनी संकल्प शक्ति का पूर्ण उपयोग करें। इस अवसर पर स्टाफ सदस्यों ने अपनी जिज्ञासाओं को लेकर विद्युत क्षेत्र से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण प्रश्न भी किए जिनका समुचित समाधान किया गया। स्थापना दिवस की कार्रवाही का सफल संचालन डॉ. एस.के. चटर्जी (सं. प्र.) विनियामक मामले द्वारा किया गया। इसके अलावा समस्त स्तर के स्टाफ द्वारा सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की गई। स्थापना दिवस समारोह के इस शुभ अवसर पर आयोग के सभी सदस्यगण एवं वरिष्ठ अधिकारियों की गरिमापूर्ण उपस्थिति रही।

स्थापना दिवस समारोह : कुछ महत्वपूर्ण झलकियाँ

सौदामिनी
के वि वि आयोग
CERC
जुलाई – सितम्बर, 2017 केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग खण्ड–I अंक–I4

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक – 11.08.2017

आयोग के स्तर पर गठित राजभाषा कार्यान्वयन समिति की सितम्बर, 2017 को समाप्त तिमाही बैठक दिनांक 11.08.2017 को आयोग के सचिव एवं अध्यक्ष रा.भा.का.स. श्री सनोज कुमार झा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस बैठक में राजभाषा कक्ष द्वारा समय–समय पर विभिन्न प्रतियोगिताओं के आयोजन के साथ–साथ अन्य महत्वपूर्ण गतिविधियों के आयोजन की सराहना की गई। बैठक में सभी प्रभागों की पिछली तिमाही के दौरान हिंदी प्रगति की जानकारी प्राप्त की गई। विचार–विमर्श के दौरान मानक मसौदे के अधिकाधिक इस्तेमाल व धारा 3(3) के शतप्रतिशत अनुपालन पर विशेष बल दिया गया।

बैठक में सरकार की राजभाषा नीति के अनुपालन और हिंदी के प्रचार–प्रसार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सितम्बर माह के दौरान हिंदी पखवाड़े का आयोजन तथा विभागीय प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत श्रेष्ठ कार्यनि पादन करने के लिए सभी स्टाफ सदस्यों को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न योजनाओं पर विस्तार से विचार–विमर्श किया गया। इसके साथ ही सर्वसम्मति से यह भी निर्णय लिया गया कि हिंदी पखवाड़े के मुख्य समारोह एवं पुरस्कार वितरण के दौरान व्यंग्य पाठ के लिए प्रतिष्ठित व्यंग्यकारों को आमंत्रित किया जाए। इसके साथ–साथ राजभाषा के प्रचार–प्रसार के लिए कई अन्य महत्वपूर्ण निर्णय भी लिए गए। इस बैठक में समिति के सभी सदस्यों ने भाग लिया।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक के दौरान विचार–विमर्श

सौदामिनी
के वि वि आयोग
CERC
जुलाई – सितम्बर, 2017 केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग खण्ड–I अंक–I4

केविविआ में हिंदी पखवाड़ा (01 सितम्बर – 15 सितम्बर, 2017) का आयोजन

केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग में हिंदी पखवाड़े के दौरान श्रुतलेख प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता और गीतगायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

इन समस्त प्रतियोगिताओं में कुल 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया। श्रुतलेख में राजभाषा से संबंधित पैराग्राफ एवं आयोग में प्रचलित तकनीकी शब्दावली के हिंदी समानांतर शब्दों को लिखवाया गया। निबंध लेखन प्रतियोगिता में ऊर्जा संकट एवं समाधान, स्वच्छ भारत अभियान, साहित्य और समाज, हिंदी के विकास में हिंदी फिल्मों की भूमिका, जीवन और अध्यात्म, व्यक्तित्व विकास में खेलों का महत्व, डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम: एक प्रेरक व्यक्तित्व और हिन्दी का विकास राष्ट्र का विकास जैसे सामयिक विषयों को शामिल किया गया। तीन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया; श्रुतलेख प्रतियोगिता (दिनांक 04.09.2017), निबंध प्रतियोगिता (दिनांक 08.09.2017) और गीतगायन प्रतियोगिता (दिनांक 12.09.2017)।

इसके साथ ही गीत–गायन प्रतियोगिता में सभी प्रकार के गीतों को स्वर–लय के आधार पर मूल्यांकित किया गया जिसमें निर्णायक के रूप में संगीत विशेषज्ञ को भी आमंत्रित किया गया। 14 सितम्बर, 2017 को हिंदी दिवस के अवसर पर आयोग के सचिव महोदय के हस्ताक्षर से अपील जारी की गई। इस अपील में समस्त अधिकारियों/कर्मचारियों से अपने संवैधानिक दायित्व को निर्वाह करते हुए अपना कामकाज हिंदी में करने पर बल दिया गया।

समस्त प्रतियोगिताओं में पुरस्कृत विजेताओं को पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान दिनांक 26 सितम्बर, 2017 को आयोग के माननीय सदस्यगण एवं वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा शील्ड/प्रमाणपत्र एवं नगद राशि प्रदान की गई। इसके अलावा प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले समस्त प्रतिभागियों को प्रशंसा पत्र भी प्रदान किए गए। मुख्य समारोह में व्यंग्य पाठ के लिए प्रतिष्ठित व्यंग्यकार श्री आलोक पुराणिक और श्री नीरज बधवार को आमंत्रित किया गया। पुरस्कार वितरण समारोह में समस्त स्टाफ सदस्यों ने हिस्सा लिया। पुरस्कार वितरण समारोह का संचालन डॉ. राजेन्द्र प्रताप सहगल, राजभाषा अधिकारी द्वारा सफलतापूर्वक संपन्न किया गया।

आयोग में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन एवं पुरस्कार वितरण समारोह : कुछ झलकियां